vkbZlh,vkj dh leh{kk cSBd esa fofo dks cht mRiknu dh ljkguk

कृषि विवि ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् से बीज उत्पादन के लिये मिले 20 लाख से 99 लाख रूपये की कमाई की। विवि में रवि व खरीफ की विभिन्न फसलों के 10 हजार कुंतल बीज का उत्पादन किया। दिल्ली में सोमवार को मेगा सीड परियोजना के तहत देश भर के संस्थानों की समीक्षा बैठक के दौरान विवि की इस प्रगति की सरहना की गई। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा विभिन्न फसलों के बीज उत्पादन के विकसा के लिये संचालित की जा रही मेगा सीड़ परियोजना की सोमवार को दिल्ली में राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केन्द्र में महानिदेशक डा0 एस0 अय्यप्पन ने समीक्षा की। समीक्षा बैठक में देश में स्थित आईसीएआर के विभिन्न संस्थानों के निदेशक, विश्वविद्यालों के कुलपति तथा परियोजना के नोडल अफरस शामिल हुए। दरअसल परिषद् में सभी संस्थानों को परियोजना के रिवाल्विंग फड़ के रूप में 20–20 लाख रूपये की धनराशि दी थी। बैठक में प्रत्येक संस्थान ने अपने उत्पादन किसान सहभागिता से उत्पादन तथा उससे की गयी कमाई की जानकारी दी। कृशि विवि के कृलपति डा0 अरविंद बख्शी, निदेशक प्रसार डा0 ओ0पी0 सिंह व परियोजना के नोडल अफसर डा0 मोहनलाल ने बैठक में अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होने बताया कि विवि ने किसान सहभागिता से रवि व खरीफ फसलों का सात हजार कुंतल तथा विवि स्तर पर 3016 कुंतल बीज उत्पादन किया। 31 मार्च को सभी खर्च काटकर विवि के चाते में 99 लाख रूपये भी मौजुद थे। बीज उत्पादन से विवि ने 99 लाख रूपये की कमाई की। जिसकी बैठक में सरहाना की गई। न्यूक्लीयस सीड, प्रजनक, आधारी प्रमाणित तथा सत्य प्रमाणित समेत सभी श्रेणी के बीजे उत्पादन के लक्ष्य को इस साल 20 फीसदी बढ़ा दिया। निदेशक शोध डा0 ओ0पी0 सिंह ने बताया कि बैठक के दौरान उन्होनें विवि में बीज प्लांट लगाने तथा विवि के वाह्रा विकास केन्द्रों के सुदृढ़ीकरण की मांग की। जिसके लिये प्रोजेक्ट बनाकर भेजने को कहा गया।

nSfud tkxj.k fnukad 20-07-2010